2017/C&IS/CRIS/Audit/2016-17/03

अधिप्रमाणित
AUTHENTICATED
(राजेन गोहांई)
(RAJEN GOHAIN)
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
Minister of State in the Ministry of Railways

REVIEW OF PERFORMANCE OF THE CENTRE FOR RAILWAY INFORMATION SYSTEMS (CRIS) BY THE MINISTRY OF RAILWAYS FOR THE YEAR 2016-17.

The Centre for Railway Information System (CRIS) was constituted by the Ministry of Railways on 01.07.1986 as an autonomous body for computerisation activities on Indian Railways.

One of the major projects being handled by CRIS is the Freight Operations Information System (FOIS). 99.9 % of all Railway Receipts (Freight invoices) are generated through FOIS. Approximately 82.21% of all payments are in electronic form and are processed through E-payment Gateway. FOIS has also been integrated with COA (Control Office Application) and is interfaced with Container Corporation of India through EDI (Electronic Data Interchange). New developments in FOIS include Online Rake Booking, Paperless Invoicing and Delivery of goods, easy to use Web Interface, transparency in work flow, track and trace of registered indents, E-payment of freight and wagon registration fee and Mobile App for Freight Operation Managers.

In Passenger Reservation system (PRS), since the launch of computerised reservation system, significant changes have taken place in the booking of reserved tickets. At present, more than 65% of reserved tickets are booked online on www.irctc.co.in. Mobile Application IRCTC Rail Connect is also available for booking e-tickets.

Unreserved Ticketing System (UTS) started as a pilot project at 23 station in Delhi area of Northern Railways on 15th August 2002. Since then, the system has been extended across the entire Indian Railway network and computerized unreserved ticketing terminals have been installed at all major stations. Unreserved tickets can also be booked through Smart Card based Automatic Ticket Vending Machines. Coin cum currency operated automatic ticket vending machines have also been installed at major stations to facilitate self-service by passengers. Mobile app for paperless unreserved ticketing has also been launched at suburban sections of Mumbai, Chennai, Kolkata, Secunderabad and New Delhi-Palwal section of Northern Railway.

E-procurement system has been implemented on all the Zonal Railways and Production Units for procurement of material. Implementation of electronic procurement system has increased transparency, minimised human errors, reduced procurement time cycle and improved purchase efficiency. E-auction of scrap has also been implemented.

Track Management System has been implemented in all the 68 Divisions on Indian Railways. It covers complete working of track maintenance at all levels from the field location up to Headquarters.

Integrated Payroll and Accounting System and web-enabled Railway Budget System have been implemented. Accounts of Zones are made through the system. Major modules include Payroll, Provident Fund, Pension, Bill passing, Books, Budget, Cash and Pay.

The accounts of CRIS for the year 2016-17 have been audited by the office of Comptroller and Auditor General.

अधिप्रमाणित
AUTHENTICATED
(राजेन गोहांई)
(RAJEN GOHAIN)
रेल मंत्रालय
Minister of State in the Ministry of Railways

रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016-17 के लिए रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के कार्य निष्पादन की समीक्षा

रेलवे सूचना प्रणाली (सीआरआईएस) का केंद्र रेल मंत्रालय द्वारा 01.07.1986 को भारतीय रेल पर कम्प्यूटरीकरण की गतिविधियों के लिए एक स्वायत्त निकाय के रूप में गठित किया गया था।

क्रिस द्वारा निष्पादित की जा रही प्रमुख परियोजनाओं में से एक माल यातायात परिचालन सूचना प्रणाली (फोइस) है। सभी रेलवे प्राप्तियों (फ्रेट चालान) का 99.9% फोइस के माध्यम से बुक होता है। सभी भुगतानों के लगभग 82.21% इलेक्ट्रॉनिक रूप में हैं और ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से संसाधित होते हैं। फोइस को सीओए (कंट्रोल ऑफिस एप्लीकेशन) के साथ भी एकीकृत किया गया है और ईडीआई (इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज) के माध्यम से भारत के कंटेनर कॉरपोरेशन के साथ इंटरफेस किया गया है। फोइस में विकास के तहत ऑनलाइन रेक बुकिंग, कागज रहित चालान और माल की डिलीवरी, आसान वेब इंटरफेस, काम के प्रवाह में पारदर्शिता, पंजीकृत इंडेंटों के ट्रैक और ट्रेस, भाड़ा और वैगन पंजीकरण शुल्क का ई-भुगतान और फ्रेट ऑपरेशन मैनेजर के लिए मोबाइल ऐप शामिल किये गये हैं ।

यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में, कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली के शुभारंभ के बाद से, आरक्षित टिकटों की बुकिंग में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। वर्तमान में, 65% से अधिक आरक्षित टिकट www.irctc.co.in पर ऑनलाइन बुक किए जाते हैं। मोबाइल एप्लिकेशन आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ई-टिकट बुकिंग के लिए भी उपलब्ध है।

15 अगस्त 2002 को उत्तरी क्षेत्र के दिल्ली क्षेत्र में 23 स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट सिस्टम (यूटीएस) पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ। तब से, प्रणाली को पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क और कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट टर्मिनलों में विस्तारित किया गया है, सभी प्रमुख स्टेशनों। अनारक्षित टिकट को स्मार्ट कार्ड आधारित स्वचालित टिकट विकेंड मशीन के माध्यम से भी बुक किया जा सकता है। यात्रियों द्वारा स्वयं सेवा की सुविधा के लिए प्रमुख स्टेशनों पर सिक्का सह मुद्रा संचालित स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन भी स्थापित की गई है। कागज रहित अनारक्षित टिकट के लिए मोबाइल ऐप भी उत्तर रेलवे के मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, सिकंदराबाद और नई दिल्ली-पलवल सेक्शन के उपनगरीय इलाकों में शुरू किया गया है।

सामग्री की खरीद के लिए सभी क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों पर ई-खरीद प्रणाली लागू की गई है। इलेक्ट्रॉनिक खरीद प्रणाली के कार्यान्वयन में पारदर्शिता, मानव त्रुटियों को कम से कम, कम खरीद समय चक्र और बेहतर खरीद दक्षता बढ़ गई है। स्क्रैप की ई-नीलामी भी लागू की गई है।

भारतीय रेल के सभी 68 डिवीजनों में ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। इसमें फ़ील्ड स्थान से मुख्यालय तक सभी स्तरों पर रखरखाव का पूरा काम शामिल है।

एकीकृत पेरोल और लेखा प्रणाली और वेब-सक्षम रेलवे बजट प्रणाली का कार्यान्वयन किया गया है जोनल रेलवे के खाते सिस्टम के माध्यम से किए जाते हैं। प्रमुख मॉड्यूल में वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, पे-रोल, बिल समाशोधन, पुस्तकें, बजट, नकद और वेतन शामिल हैं।

वर्ष 2016-17 के लिए क्रिस के लेखों की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय द्वारा लेखा-परीक्षा की जा चुकी है ।

Statement giving reasons for delay in laying of the Annual Report and Audited Accounts of the Centre for Railway Information Systems for the year 2016-17.

The Annual Accounts and the Receipts and Payments Account of CRIS for the year 2016-17 were closed and made available to the Principal Director of Audit, Northern Railway on 29.05.2017. Audit of Accounts commenced on 05.07.2017 and completed on 24.08.2017. Draft Audit Reports were issued to CRIS on 18.09.2017. Replies were sent to Audit on 26.09.2017. The Audit Certificate dated 16.11.2017 was received on 16.11.2017. The Audited Accounts along with the Annual Report for the year 2016-17 was approved by the Executive Committee through circulation of papers on 01.12.2017 and by the Governing Council of CRIS through circulation of papers on 12.12.2017. Accordingly, the Annual Report and Audited Accounts for the year 2016-17 is being placed on the Table of Both Houses of Parliament during the ensuing Session.